A–1236

Total Pages : 3 **Roll No. .....**

BAJY (N)–120

(जन्म कुण्डली निर्माण)

1st Semester Examination, Session December 2024

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न 2×19=38

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. इष्टकाल परिचय, साधन विधि करते हुए निम्नलिखित विवरण के द्वारा इष्टकाल साधन कीजिए :

   जन्म समय 3.30 बजे सायंकाल, सूर्योदय 5.37 प्रातः।

2. अयनांश से आप क्या समझते हैं ? अयनांश का विधिपूर्वक साधन कीजिए।

3. स्वकल्पित चन्द्र साधन कीजिए।

4. गत एवं जन्म नक्षत्रों का परिचय देते हुए विस्तार पूर्वक वर्णन कीजिए।

5. नतोन्नत काल की परिभाषा, स्वरूप, एवं महत्व पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डालिए।

अथवा

साम्पतिक काल से लग्नानय साधन करने की विधि का उल्लेख कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न 4×8=32

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. नक्षत्र से आप क्या समझते हैं ? नक्षत्र चरण से जन्माक्षर को ज्ञात कीजिए।

अथवा

यदि दिनमान 34/54 हैं ? रात्रिमान, अहोरात्र का मान क्या होगा स्पष्ट कीजिए।

2. दशम भाव से विचारणीय विषयों का वर्णन कीजिए।

3. पलभा से आप क्या समझते हैं ? स्पष्ट कीजिए।

4. विंशोतरी सूर्य, बुध तथा शनि, के दशाफल पर प्रकाश डालिए।

अथवा

स्थिर कारक ग्रहों का वर्णन कीजिए।

5. अन्तर्दशा क्या हैं ? टिप्पणी लिखिए।

अथवा

पंचम, नवम, भाव के भावफल का उल्लेख कीजिए।

6. जन्म कुण्डली का मानव जीवन मैं क्या महत्व हैं ? वर्णन कीजिए।

7. पक्ष बल एवं नैसर्गिक बल का वर्णन कीजिए।

8. लग्न से क्या तात्पर्य हैं ? स्पष्ट कीजिए।

****